

ziehen veranstaltet. Es ist in Antrag gebracht, durch eine Aenderung der Gewerbeordnung den Handel mit Gemüse- und Blumensamen grundsätzlich vom Gewerbebetrieb im Umherziehen auszuschliessen. Zur Begründung des Antrages ist darauf hingewiesen, dass sich unzuverlässige Elemente in grosser Zahl die jetzige Fassung der in Rede stehenden Gewerbeordnungsvorschrift zu nutze machen. Alljährlich durchzögen Hausierer die Dörfer und böten die verschiedensten Gemüse- und Blumensamen in auffallend buntenfarbigen Düten feil. Diese Düten, welche fest verschlossen seien, enthielten vielfach eine ganz andere, und zwar minderwertigere Sorte, als auf der Aussenseite der Düte angegeben sei. Die feilgebotenen Sämereien hätten oft durch langes Liegen ihre Keimfähigkeit ganz oder zum Teil verloren und seien wertlos. Auf diese Weise würden grössere Bestände von Samen, die in einer Saison unverkäuflich geblieben wären, in der nächsten Saison wieder in den Handel gebracht. Die Käufer seien Landleute, kleine Gartenbesitzer und Arbeiter, die um das unverhältnismässig hohe Kaufgeld betrogen würden, und, was weit mehr ins Gewicht falle, Zeit und Arbeit für die Bestellung des Landes unnütz aufwendeten. Dieser unreelle Samenhandel sei so verbreitet, dass die Landleute sich beim Einkauf auch in guten Geschäften weigerten, in bunten Düten verpackte Sämereien anzunehmen. Durch den geschilderten Hausierhandel würden nicht nur die Käufer geschädigt, sondern auch die angesessenen Saatgeschäfte beeinträchtigt, die, um ihre Kundschaft nicht zu verlieren, eine mit Aufwand von Zeit und Kapital verbundene sorgfältige Prüfung ihrer Waren vornehmen müssten. Die Minister haben nunmehr die Regierungspräsidenten zum Bericht darüber aufgefordert, ob ähnliche Wahrnehmungen in ihren Verwaltungsbezirken gemacht seien, die eine Aenderung der Gewerbeordnung notwendig oder wünschenswert erscheinen liessen.“

Wenn die hiernach eingeforderten Berichte ein zutreffendes Material in dieser Frage ergeben sollen, so müssen die dabei Beteiligten, also auch Samenhändler und Handelsgärtner, zur Abgabe von Gutachten aufgefordert und herangezogen werden. Wir möchten es hierauf allein aber nicht ankommen lassen, und halten es für eine Pflicht des Verbandes, dass auch seinerseits zu dieser Angelegenheit ein möglichst ausgiebiges Material gesammelt und der Regierung zur Verfügung gestellt wird. Nach Vorgängen, die in der letzten Zeit immer häufiger zu Tage getreten sind, ist es auch mit Sicherheit anzunehmen, dass der Verband aufgefordert wird, ein Gutachten abzugeben oder Material beizubringen. Wir möchten also die Gruppen und Einzelmitglieder recht dringend auffordern, uns schon jetzt Material zu dieser Frage möglichst reichhaltig einzusenden, damit auch hier die Verbandsleitung in der Lage ist, zu einer etwaigen Abänderung der Reichsgewerbeordnung nach der beantragten Richtung hin Stellung zu nehmen, und die Interessen der Beteiligten so zu wahren, wie es als am besten erkannt wird.



Verzeichnis der auf Reblaus untersuchten Gärtnereien.

(Schluss.)

- | | | | | |
|-----------------------------------|--|--|---|-----|
| 540. Marienfelde bei Berlin. | Beyrodt, Otto. | 557. Möhlenwarf, Provinz Hannover. | Hesse, H. | 727 |
| 541. Markkleeberg bei Leipzig. | Hoppe, Hugo. | 562. Mülheim, Rhein. | Breinig, Peter. | 728 |
| 543. " " " | Pladeck, Bernh. | 563. " " " | Schmitz, Hermann. | 729 |
| 544. " " " | Rauch, Karl Richard, in Firma: Karl Rauch. | 564. München. | Bauer, Joseph. | 730 |
| 546. " " " | Wolf, Johann Friedrich, in Firma: F. Wolf. | 568. " " " | Koch, Josef. | 731 |
| 547. " " " | Wolf, Johann Friedrich Hermann. | 569. " " " | Meyer, Georg. | 732 |
| 548. Markneukirchen. | Zimmermann, Otto. | 573. Nauheim, Bad. | Lindemann, K. A. | 734 |
| 549. Mehlem, Rheinprovinz. | Rieck & Rosbach. | 574. " " " | Linkmann, L. | 735 |
| 550. Meissen, Königreich Sachsen. | Born, Franz. | 576. Neuhörnitz bei Zittau. | Lange, Eduard Gustav. | 740 |
| 553. Miltenberg, Bayern. | Koschwanetz, Joseph. | 578. Neusalza bei Löbau. | Röder, Kurt. | 74 |
| 556. Möckern bei Leipzig. | Theile, Julius. | 580. Neuss, Rheinprovinz. | Hönings, Julius. | 749 |
| | | 581. " " " | Severin, Friedrich. | 752 |
| | | 583. Niekern bei Dresden. | Mietzsch, C. W. | 754 |
| | | 584. Nied, Hessen-Nassau. | Kropff, Julius. | 756 |
| | | 585. Nieder-Büssau bei Lübeck. | Vollert, Rudolf. | 758 |
| | | 587. Niedersedlitz bei Dresden. | Eck, Willy. | 759 |
| | | 588. " " " | Glieme, Artur. | 761 |
| | | 589. " " " | Mietzsch, C. W. | 763 |
| | | 590. " " " | Naetsch, Otto. | 764 |
| | | 592. Niederwalluf. | Goos & Koenemann. | 767 |
| | | 594. " " " | Keim, Johann. | 768 |
| | | 596. " " " | Kreis, Franz. | 773 |
| | | 597. " " " | Vogt, Curt. | 776 |
| | | 602. Nürnberg, Bayern. | Bänsch, Karl. | 778 |
| | | 603. " " " | Dietrich, Simon, Inhaber: Christian Hofmann. | 781 |
| | | 604. " " " | Hofmann, Christian. | 782 |
| | | 607. " " " | Tölke, Konrad. | 786 |
| | | 609. Oberesslingen, Württemberg. | Schneider, Albert. | 787 |
| | | 611. Oberleutersdorf bei Zittau. | Neumann, Wilhelm. | 788 |
| | | 612. Oberlössnitz bei Dresden. | Pietzsch, Gustav. | 790 |
| | | 614. Oberursel, Hessen-Nassau. | Lüttich, Ernst. | 801 |
| | | 619. Oelsnitz i. V. | Hertwig, Richard. | 802 |
| | | 622. " " " | Wohlfarth, Wilhelm. | 805 |
| | | 625. Olbersdorf bei Zittau. | Neumann, Gebrüder. | 810 |
| | | 629. Oybin bei Zittau. | Neumann, Gebrüder. | 812 |
| | | 630. Pannesheide, Rheinprovinz. | Geduldig, Philipp. | 813 |
| | | 632. Pechau bei Magdeburg. | Beyme, G. | 814 |
| | | 643. Pirna. | Anders, Bernhard Robert. | 816 |
| | | 644. " " " | Anders, Heinrich Otto. | 820 |
| | | 650. " " " | Peppich, Theodor. | 821 |
| | | 651. " " " | Plotz, Emil Richard. | 822 |
| | | 654. " " " | Scholze, Kurt Julius. | 823 |
| | | 656. " " " | Schupp, H. & Co. | 824 |
| | | 657. " " " | Sperling, Friedrich Robert. | 825 |
| | | 658. " " " | Voigtländer, Ernst Richard. | 826 |
| | | 660. " " " | Winkler, Gustav Alfons Aurel. | 827 |
| | | 661. " " " | Zschiedrich, Wilhelm. | 828 |
| | | 663. Plauen i. V. | Bauch, Bruno Max. | 829 |
| | | 666. " " " | Riedel, Karl Wilhelm Rudolf. | 830 |
| | | 667. " " " | Westphal, Theodor. | 831 |
| | | 668. " " " | Wettengel, Friedrich Reinhard. | 832 |
| | | 671. Poppitz bei Riesa. | Fleck, Richard. | 833 |
| | | 672. Potsdam. | Görms Rosenschule (Besitzer Hering). | 834 |
| | | 674. Priestewitz bei Grossenhain. | Raue, Hermann. | 835 |
| | | 675. Quedlinburg. | Dippe, Gebrüder. | 836 |
| | | 676. " " " | Fiedler, Albert. | 837 |
| | | 686. " " " | Gebhardt, E. | 839 |
| | | 679. " " " | Grashoff, Martin. | 840 |
| | | 681. " " " | Keilholz, A. | 842 |
| | | 682. " " " | Kettenbeil, Gebr. | 844 |
| | | 683. " " " | Klinge, Karl. | 847 |
| | | 685. " " " | Pape & Bergmann. | 848 |
| | | 687. " " " | Roemer, F. | 849 |
| | | 688. " " " | Sachs, David. | 850 |
| | | 689. " " " | Sattler, Carl. | 851 |
| | | 691. " " " | Teupel, Gebr. | 852 |
| | | 692. " " " | Teupel, Heinrich. | 856 |
| | | 693. " " " | Tränkner, Berthold. | 857 |
| | | 694. " " " | Vieweg, Louis. | 859 |
| | | 695. " " " | Wehrenpfennig. | 860 |
| | | 696. " " " | Ziemann, Samuel Lorenz. | 861 |
| | | 699. Radeberg. | Hetschold, Eduard. | 869 |
| | | 701. Rahmersdorf bei Oberkassel. | Boehm. | 874 |
| | | 702. Rathenow. | Herbst. | 876 |
| | | 708. Regensburg, Bayern. | Frede, Theodor. (Trede?) | |
| | | 709. Remscheid. | Koenemann & Maassen, Inhaber: Reinhard Koenemann. | |
| | | 713. Riesa, Kgr. Sachsen. | Fiedler, Paul. | |
| | | 714. " " " | Flössner, Max. | |
| | | 718. Rodenkirchen bei Köln. | Winkelmann, Wilhelm jun. | |
| | | 719. Rödelheim, Provinz Hessen-Nassau. | Cossmann, W., Nachfolger, Inhaber: Franz Wirtz und Hermann Eicke. | |
| | | 720. Ronneburg, Sachsen-Altenburg. | Fischer, William. | |
| | | 721. " " " | Schellenberg, Otto. | |
| | | 723. Rosenthal bei Pirna. | Hauber, Paul. | |
| | | 724. Rossdorf, Provinz Sachsen. | Knopf, W. | |